हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

11 अभियान के तहत अबतक 90 कुत्ते भेजे शेल्टर होम

11 लोगों की सुरक्षा को राजनगर चौकी क्षेत्र में पुलिस का मार्च

खबर संक्षेप

नशीली दवाएं बेचने की फिराक में खड़े दो दबोचे

फतेहाबाद। एएनसी सेल फतेहाबाद ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को नशीली गोलियों सहित काबू किया है। पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई रतिया रोड स्थित एफसीआई गोदाम क्षेत्र में की गई। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि एएनसी टीम गश्त के दौरान रतिया रोड बाईपास पुल के नीचे मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि अनिल कुमार पुत्र भूप सिंह निवासी साबरवास जिला हिसार तथा संदीप कुमार उर्फ टिल्ला पुत्र सुभाष चंद्र निवासी खजुरी जाटी जिला फतेहाबाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर एफसीआई गोदाम के पास खड़े हैं और नशीली गोलियां राहगीरों को बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के बॉक्स से 175 नशीली गोलियां बरामद हुई।

फर्जी फेसबुक आईडी मामले में युवक पकड़ा

फतेहाबाद। फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान विष्णु कुमार मीणा पुत्र हरी राम मीणा निवासी गांव रामबास, जिला दौसा, राजस्थान के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में दो आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ने बताया किसतपाल सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह निवासी उदयपुर, तहसील टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि 5 अगस्त 2025 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके बेटे जगदीप सिंह के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर उसका फोटो लगाकर उससे संपर्क किया।

कार सवार लोगों पर फायरिंग का आरोप

ओढां। गांव बनवाला में ट्रैक्टर सवार एक व्यक्ति ने गाड़ी सवार कुछ लोगों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता सुभाष ने बताया कि गत दिवस गांव के ही एक व्यक्ति ने फोन कर गालियां दी थी। इसके बाद गांव के कुछ मौजिज व्यक्तियों के हस्तक्षेप के बाद राजीनामा करवा दिया। इसके बाद देर सायं एक व्यक्ति का फोन आया कि वे इस राजीनामे को नहीं मानते। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब वह रात को करीब साढे 9 बजे ट्रैक्टर लेकर पानी की बारी लगाने जा रहा था तो रास्ते में तीन-चार लोग कार में बैठे थे। उनमें से एक व्यक्ति ने तीन हवाई फायर किए जिसके बाद उसने भाग कर अपनी जान बचाई।

गैस सिलेंडरों के बढ़े दामों पर कांग्रेस का प्रदर्शन

सिरसा। गैस सिलेंडर के दामों में की गई वृद्धि पर रोष जाहिर करती महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

रसोई गैस सिलेंडरों के दामों में की गई वृद्धि के खिलाफ रविवार को महिला कांग्रेस ने सिरसा में सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बढ़े हुए दामों को तुरंत वापस लेने की मांग की। कांग्रेस की जिला महिला प्रधान कृष्णा फौगाट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ही सरकार ने रसोई गैस के दामों में वृद्धि कर महिलाओं को ये तोहफा दिया है, जिससे प्रमाणित होता है कि सरकार महिलाओं का कितना सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन में जहां आम घरेलू चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं, वहीं महिलाओं के प्रति बढ़े अपराधों ने महिला वर्ग को अपने घरों में ही रहने को मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन की गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस सडक़ से लेकर सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। इस प्रदर्शन में अंगूरी देवी वर्मा, कमलेश संधू, पुष्पा नारंग, कृष्णा भांभू, सुनीता ढाका, गुड्डी देवी, सुनैना, अंकिता, सुमित्रा देवी सहित काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

नशे ने उजाड़ा घर, मां की मौत, पिता जेल में, दो मासूमों के सिर से छिना सहारा

दलबीर सिंह ⏭ भूना

जांडली खुर्द गांव में नशे की लत ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और दो मासूम बच्चों को असमय ही जीवन की कठोर सच्चाई के सामने खड़ा कर दिया। पिता के हाथों मां की हत्या के बाद अब 12 वर्षीय बेटी और 9 वर्षीय बेटा बेसहारा हो गए हैं। एक तरफ मां हमेशा के लिए दुनिया छोड़ गई, तो दूसरी ओर पिता जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गया। ऐसे में दोनों बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में घिर गया है। गांव के लोगों के अनुसार दोनों बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। बड़ी बेटी पांचवीं कक्षा में और बेटा चौथी कक्षा का छात्र है। मां के साये में पल रहे इन बच्चों ने कभी नहीं सोचा था कि एक ही दिन में उनकी दुनिया इस तरह बदल जाएगी। अब घर में न मां की ममता है और न ही पिता का सहारा। परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर बताई जा रही है। घर में पहले से ही गुजारे की मुश्किलें थीं और अब हालात और भी कठिन हो गए हैं। गांव के लोग इस घटना से बेहद दुखी हैं और बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता जता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नशे की बुरी आदत ने न केवल एक महिला की जान ले ली, बल्कि दो मासूम बच्चों के सिर से हमेशा के लिए मां-बाप का साया भी छीन लिया। अब गांव और समाज के सामने इन बच्चों के भविष्य को संभालने की बड़ी जिम्मेदारी खड़ी हो गई है।

बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित दिखे ग्रामीण

भूना। पत्नी की हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपित। फोटो: हरिभूमि

खेत और फिर श्मशान में जाकर छिपा आरोपी

पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी सुखविंद्र सिंह गांव के श्मशान घाट में जाकर छिप गया था। पुलिस ने जांच के दौरान देर रात श्मशान भूमि में तलाशी अभियान चलाया, जहां आरोपी पौधों के बीच छिपा मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने कुल्हाड़ी से पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह नशा करता था और इसी बात को लेकर अक्सर पत्नी से झगड़ा होता रहता था। शनिवार दोपहर जब वह घर पहुंचा तो उसे रोटी नहीं मिली। इसी बात पर गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी उठाकर पत्नी के गले पर वार कर दिया। वारदात के बाद वह डर गया और पहले खेत में गेहूं की फसल में छिप गया तथा बाद में रात को श्मशान भूमि में जाकर छिप गया, जहां से पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

मौसम के मिजाज से बढ़ी किसानों की चिंता, अधिक गर्मी से मंडराया फसलों पर खतरा

फाल्गुन में जेठ जैसी गर्मी, 36 पार पारा गेहूं की फसल को नुकसान की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फाल्गुन के महीने में ही जेठ जैसी गर्मी पडऩे से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। रविवार को जिले में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को दिन में काफी गर्मी का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। फाल्गुन में इस तरह की तेज गर्मी और धूप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो गेहूं की फसल पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस समय गेहूं की फसल दाना बनने की अवस्था में है और अधिक तापमान से दाने का आकार छोटा रह सकता है, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप निकलने से दोपहर के समय गर्मी काफी बढ़ गई। बाजारों में भी दोपहर के समय लोगों की आवाजाही कम नजर आई। कई जगहों पर लोगों ने गर्मी से बचने के लिए छांव और ठंडे पेय का सहारा लिया। मौसम के अचानक बदले इस रुख ने लोगों को भी हैरान कर दिया, क्योंकि आमतौर पर फाल्गुन के महीने में हल्की ठंडक बनी रहती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार गेहूं की फसल के लिए 25 से 30 डिग्री के बीच का तापमान अनुकूल माना जाता है, लेकिन तापमान 35 डिग्री के पार पहुंचने से फसल पर दबाव बढऩे लगता है। ऐसे में पौधों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है और दाने ठीक से विकसित नहीं हो पाते। विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों में समय पर सिंचाई करें ताकि फसल को गर्मी से राहत मिल सके। जिले के कई किसानों ने भी मौसम में आए इस बदलाव को लेकर चिंता जताई है। किसानों का कहना है कि फरवरी के अंतिम सप्ताह से ही गर्मी का असर बढऩे लगा था और अब मार्च की शुरुआत में ही तापमान काफी बढ़ गया है। यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह की गर्मी रही तो गेहूं की पैदावार प्रभावित हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होने और साफ आसमान के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल मौसम के इस बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कृषि विभाग भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसानों को समय-समय पर आवश्यक सलाह दी जा रही है ताकि फसल को संभावित नुकसान से बचाया जा सके।

2 प्रतिशत पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करने की सलाह दे रहे विशेषज्ञ

फतेहाबाद। तेज धूप से बचने के लिए पार्क में छाया में बैठे लोग। फोटो: हरिभूमि

आज से बदलेगा मौसम: खीचड़

प्रदेश में मौसम आमतौर पर 12 मार्च तक खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आज से 11 मार्च के दौरान राज्य में कहीं कहीं आंशिक बादलवाई आने की संभावना है। इस दौरान बीच बीच में हवाओं में बदलाव आने तथा हल्की से मध्यम गति से हवाएं चल सकती है। दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा वहीं रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की भी संभावना है। -डॉ मदन खीचड़, विभागाध्यक्ष कृषि मौसम विज्ञान विभाग एचएयू हिसार

गेहूं का दाना हो सकता है छोटा

फतेहाबाद। तापमान में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी गेहूं की फसल के लिए सही नहीं है। कृषि विभाग किसानों से 2 प्रतिशत पोटेशियम नाइट्रेट का छिडक़ाव करने की सलाह दे रहा है। मार्च में तापमान में लगातार बढ़ोतरी के कारण गेहूं की फसल पर प्रभाव पडऩे की आशंका बढ़ गई है। कृषि विभाग के तकनीकी सहायक डॉ. राजपाल ने किसानों को सलाह दी है कि अधिक तापमान से दानों के छोटे और हल्के रहने की संभावना रहती है, जिससे उत्पादन में कमी आ सकती है। ऐसे में किसान वैज्ञानिक सलाह अपनाकर नुकसान को कम कर सकते हैं। जिले में इस बार लगभग 4 लाख एकड़ क्षेत्र गेहूं की बुवाई की गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि फसल में लगभग 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का असर दिखाई दे तो किसान 2 प्रतिशत पोटेशियम नाइट्रेट (13:0:45) का छिडक़ाव करें। इसके लिए 2 किलोग्राम पोटेशियम नाइट्रेट को 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर छिडक़ाव किया जा सकता है। आवश्यकता होने पर यह छिडक़ाव 10 दिन के अंतराल पर दोबारा भी किया जा सकता है। किसानों को फसल में हल्की सिंचाई सुबह या शाम करने की सलाह दी गई है। अधिक गर्मी में स्प्रिंकलर से सिंचाई की जा सकती है।

रतिया। स्वास्थ्य जांच कैम्प में उपस्थित महिला चिकित्सक व छात्राएं।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है: डॉ. सबीना

- कैंप में 200 बच्चों व अभिभावकों के स्वास्थ्य की नि:शुल्क जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

भारत विकास परिषद, रतिया द्वारा गवर्नमेंट मिडिल स्कूल जाखनदादी, रतिया में एक स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। इस कैम्प में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सबीना जैन, डॉ. रणजीत कौर एवं डॉ. सिमरन कौर थिंद ने अपनी सेवाएं दी। कैम्प में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लगभग 200 बच्चों व बच्चों के अभिभावकों के स्वास्थ्य की जांच की तथा निशुल्क दवाइयां का वितरण भी किया गया। भारत विकास परिषद, रतिया के महिला अध्यक्ष डॉ. सबीना जैन ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। हमें अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अच्छे खान-पान के साथ-साथ व्यायाम भी करना चाहिए। हमेशा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागृत रहना चाहिए और समय-समय पर स्वस्थ जांच चेकअप करवाते रहना चाहिए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम संयोजिक सेवा जनक राज गोयल ने बताया कि इस टाइप कि स्वास्थ्य जांच कैम्प भाविप शाखा रतिया द्वारा समय समय पर लगाये जाते है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ उनका स्टाफ एवं परिषद परिवार के सदस्य उपस्थित थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं स्टाफ द्वारा आए हुए डॉक्टर्स को समिति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

रिले रेस में रजनी इंदौरा की टीम ने मारी बाजी, युवी-सजना की टीमें भी रहीं अव्वल

रतिया। शहर के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नागर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव एकेडमी द्वारा एक रोमांचक रिले रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें खिलाडियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ?एकेडमी के कोच रघुवीर और सपना रानी ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में रजनी इंदौरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। युवी चौहान की टीम दूसरे स्थान पर रही। सजना की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ?इस प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल दिखाने के लिए महक चौहान और खुशी इंदौरा को बेस्ट खिलाड़ी चुना गया।

गुरुवाणी का जाप खुशियों की आस

- अहरवां में होला मोहल्ला समागम को लेकर शुरू हुआ दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

गुरुद्वारा कलगीधर पातशाही दसवी अहरवां में 40वां वार्षिक जोड़ मेला एवं होला मौहल्ला समागम के उपलक्ष्य में धार्मिक समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर रविवार को श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया। इसके पश्चात प्रसिद्ध ढाडी जत्था भाई बलवीर सिंह पारस, कविशरी जत्था भाई चानन सिंह, कथावाचक सुखदेव सिंह डल्ला,कविशर इकबाल सिंह, दर्शन सिंह अहरवां ने गुरु इतिहास से संगत को जोडक़र निहाल किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सिख को धर्म की मर्यादा का पालन करना चाहिए। हमें अपने धर्म की मर्यादा में रहना चाहिए। हमें भी अपने गुरुओं के जीवन से सीख लेकर मानव सेवा के लिए कार्य करना चाहिए।

भूना। समागम को संबोधित करते हुए प्रचारक व कविशरी जत्था। फोटो: हरिभूमि

अटूट लंगर का किया आयोजन

मनुष्य को मानव जीवन धन-दौलत जमा करने के लिए नहीं बल्कि धर्म की रक्षा तथा वाहेगुरु के नाम का जाप करने के लिए मिला है। हमें प्रतिदिन गुरुवाणी का जाप कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। कार्यक्रम मौके बड़ी संख्या में संगत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के आगे हुई नतमस्तक हुई। इस दौरान संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर भी चलाया गया। इस मौके पर प्रधान बलविंद्र सिंह, रिछपाल सिंह, बलकार सिंह, कुलदीप सिंह, दर्शन सिंह, सुखविंद्र सिंह, परमजीत सिंह आदि उपस्थित थे।

जागरूकता साइबर ठग यूपीआई ट्रांजेक्शन का दुरुपयोग कर बना रहे लोगों को अपना शिकार

'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' के नाम पर ठगी, छोटी रकम भेजकर खाते खाली करने की साजिश रच रहे ठग

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को साइबर अपराध की एक नई और तेजी से फैल रही ठगी की तकनीक 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' को लेकर सतर्क किया है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग यूपीआई ट्रांजेक्शन का दुरुपयोग कर लोगों की जल्दबाजी और भ्रम का फायदा उठाकर उनके बैंक खातों से बड़ी रकम हड़प रहे हैं। एसपी ने बताया कि इस प्रकार के फ्रॉड में साइबर ठग पहले जानबूझकर किसी व्यक्ति के यूपीआई खाते में 1 या 2 रुपये जैसी बहुत छोटी राशि भेजते हैं। इसके तुरंत बाद ठग फोन कॉल या मैसेज के जरिए यह कहकर संपर्क करता है कि गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, कृपया वापस कर दें। जैसे ही व्यक्ति बैलेंस चेक करने या पैसे लौटाने के लिए अपना यूपीआई ऐप खोलता है, उसी समय ठग द्वारा भेजी गई मनी रिक्वेस्ट जल्दबाजी में स्वीकार हो जाती है और पिन डालते ही खाते से बड़ी राशि ठग के खाते में ट्रांसफर हो जाती है।

एसपी सिद्धांत जैन।

- खातें में पैसे आने के बाद कम से कम 30 मिनट तक यूपीआई ऐप न खोले और संयम से काम लें

खाते में अचानक राशि आने पर यह बरतें सावधानी

एसपी ने कहा कि खाते में अचानक पैसे आने पर घबराएं नहीं और तुरंत कोई कार्रवाई न करें। पैसे आने के बाद कम से कम 30 मिनट तक यूपीआई ऐप न खोलें। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई पेमेंट रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें। पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी यूपीआई पिन डालने की आवश्यकता नहीं होती। संदिग्ध कॉल या मैसेज करने वाले नंबर को तुरंत ब्लॉक करें। यदि गलती से ऐप खुल जाए तो सुरक्षा के तौर पर जानबूझकर गलत पिन डालें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और पब्लिक वाई फाई पर यूपीआई का उपयोग न करें।बैंक एसएमएस और स्टेटमेंट की नियमित जांच करते रहें। एसपी ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की यूपीआई या साइबर धोखाधड़ी होती है तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत दर्ज कराने से धनराशि सुरक्षित होने की संभावना बढ़ जाती है।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

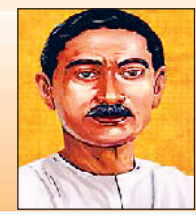

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

मीडिल मैन

कहानी

वंदना यादव

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर
विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि
नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

खबर संक्षेप

सालमखेड़ा में 18वां विशाल जागरण 12 को

ओढां। गांव सालमखेड़ा में स्थित श्री दुर्गा मंदिर में मां भगवती मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष में 18वें विशाल जागरण का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया जा रहा है। जानकारी देते हुए मंदिर के भगत गुरजीत सिंह ने बताया कि 12 मार्च दिन वीरवार को सुबह 8:15 हवन यज्ञ किया जाएगा और रात को 10:15 बजे माता रानी को भोग लगाने के बाद लंगर शुरू हो जाएगा। सेवादार गुरदास सिंह, गुरप्यार सिंह व प्रकाश सिंह ने बताया कि यह जागरण हर वर्ष की तरह मंदिर कमेटी व समस्त गांववासियों के सहयोग से करवाया जा रहा है।

पार्वती नारी सशक्त-सम्मान से सम्मानित

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल की ओर से जैन भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेरापंथ महिला मंडल सिरसा द्वारा हर साल महिलाओं के समाज में योगदान, सेवा संघ व संघपति के प्रति समर्पण को देखते हुए एक महिला सदस्य को नारी सशक्त-नारी सम्मान देकर सम्मानित किया जाता है। इसके लिए संघ ने इस बार पार्वती देवी गोयल धर्मपत्नी सुभाष गोयल को एक प्रशस्ति पत्र व शॉल ओढाकर सम्मानित किया। इस मौके पर डा. चांदनी ने बताया कि जब शिशु गर्भ में हो तो मां को को पौष्टिक भोजन के साथ अच्छी सोच व खुश मिजाज से रहना चाहिये, ताकि बच्चे के दिमाग का पूर्ण विकास हो सके। सुमन गौत्तम

प्राणपुरा में किया श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में मनीष सैनी के निवास स्थान मोहल्ला प्राणपुरा में श्रीश्याम बाबा का जागरण किया गया। जिसके मुख्य यजमान सन्तोष देवी सैनी व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य मनीष कौशिक ने यजमान मनीष सैनी व मनीषा सैनी से परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करवाई। सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मनीष शर्मा ने खाटू के श्याम जी रखोंगे मेरी लाज, बबलू शर्मा ने केसरी के लाल मेरा छोटा सा काम, मास्टर जिगर ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया, संजय शर्मा ने कोई प्यार से मेरे श्याम को सजा, बिशन ने कीर्तन की है।

लावारिस कुत्तों के प्रबंधन के लिए बुढलाड़ा रोड पर डॉग शेल्टर होम बनाया

अभियान के तहत अब तक 90 कुत्ते भेजे शेल्टर होम

- लावारिस कुत्तों को पकड़ने का अभियान जारी , रेबीज के खतरे को खत्म करने के लिए सभी कुत्तों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए जा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शहर में बढ़ते लावारिस कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने के लिए हरियाणा सरकार के विशेष दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए रतिया नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुत्तों को पकडकर नवनिर्मित डॉग शेल्टर होम में भेजा जा रहा है। नगर पालिका द्वारा नियुक्त ठेकेदार की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में कार्रवाई करते हुए 20 और लावारिस कुत्तों को पकड़ा। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही अब तक शहर से कुल 90 लावारिस कुत्तों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है।

रतिया। आवारा कुत्तों को पकड़ती टीम।

नगर पालिका की लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष मुहिम

नगर पालिका के सेनेटरी इंस्पेक्टर ओंकार सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देशों पर हमने शेल्टर होम तैयार किया है। हमारा उद्देश्य शहरवासियों को कुत्तों के काटने के डर से मुक्त करना और साथ ही इन बेजुबानों को एक सुरक्षित ठिकाना और चिकित्सा सहायता प्रदान करना है। स्थानीय लोगों की सुरक्षा और बेसहारा पशुओं के प्रबंधन के लिए बुढलाड़ा रोड पर एक डॉग शेल्टर होम का निर्माण किया गया है। पकड़े गए सभी कुत्तों को इसी शेल्टर में शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि वे राहगीरों या बच्चों के लिए खतरा न बनें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल कुत्तों को शहर से बाहर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी भलाई का भी ध्यान रखा जा रहा है। अभियान के दौरान पकड़े गए जो कुत्ते घायल हैं या किसी बीमारी से ग्रसित हैं, ठेकेदार द्वारा उनका उचित उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। रेबीज के खतरे को खत्म करने के लिए सभी कुत्तों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। सेनेटरी इंस्पेक्टर के अनुसार, यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा ताकि शहर के सभी सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित बनाया जा सके।

पंचायती कैमरे तोड़ने व धमकी देने के मामले में युवक पकड़ा

फतेहाबाद। पंचायती कैमरे तोड़ने , धमकी देने व अन्य आरोपों के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने जसविंद्र सिंह पुत्र मुखदेव सिंह निवासी गांव चुहड़पुर, तहसील टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि आरोपी गुरलाल सिंह पुत्र सुखदर्शन सिंह निवासी गांव चुहड़पुर गांव की फिरनी पर लगे शीशम के पेड़ को काट रहा था। जब शिकायतकर्ता ने उसे ऐसा करने से रोका तो आरोपी ने उसके साथ हाथापाई की, गाली-गलौज किया तथा वहां लगे पंचायती कैमरों को तोड़ दिया और उसे जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि कुछ दिन बाद जब वह जाखल की ओर जा रहा था तो आरोपी ने रास्ते में उसकी गाड़ी रुकवाकर तोडफ़ोड़ करने की कोशिश की और उसे जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान आरोपी के साथ सतपाल सिंह पुत्र कपूरा सिंह निवासी गांव चुहड़पुर भी मौजूद था।

संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच कर परखी कानून व्यवस्था

लोगों की सुरक्षा को राजनगर चौकी क्षेत्र में पुलिस का मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस चौकी राजनगर द्वारा टोहाना क्षेत्र में विशेष पैदल गश्त अभियान चलाया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की गई। पुलिस चौकी राजनगर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा राजनगर चौकी क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, मुख्य बाजार, बस स्टैंड के आसपास तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने बाजारों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी जानकारी भी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। उन्होंने बताया कि पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की तथा उनके पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच की। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर खड़े वाहनों की भी जांच की गई ताकि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस द्वारा दुकानदारों और आम नागरिकों से भी अपील की गई कि यदि उन्हें अपने आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा अपराध पर अंकुश लगाना है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर पैदल गश्त, वाहन चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच जैसे अभियान चलाए जाते हैं, ताकि असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय बना रहे और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

टोहाना। पैदल गश्त अभियान चलाती पुलिस टीम।

रतिया पुलिस ने नशीली गोलियों सहित युवक को किया काबू

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने नशीली दवाइयों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को कॉमर्शियल मात्रा में नशीली दवाइयों सहित काबू किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस को प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गांव महमड़ा क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान आरोपी मनप्रीत सिंह उर्फ बबु पुत्र बलदेव सिंह निवासी महमड़ा को काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 65 पत्ते नशीली दवाओं के बरामद हुए। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर थाना सदर रतिया में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

बाबा राणाधीर मंदिर में लगा हेल्थ कैंप

दो हजार से ज्यादा मरीजों की नि:शुल्क जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

बाबा राणाधीर मंदिर भूना के प्रांगण में रविवार को सिख वेलफेयर सोसाइटी लंदन के सहयोग से मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में क्षेत्र के दो हजार से अधिक लोगों ने पहुंचकर विभिन्न बीमारियों की जांच करवाई और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया। सुबह से ही मंदिर परिसर में मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कैंप में अलग-अलग बीमारियों की जांच के लिए विशेष काउंटर लगाए गए थे, जहां अनुभवी और प्रसिद्ध डॉक्टरों ने अपनी टीम के साथ मरीजों की जांच की और उन्हें उचित सलाह व दवाइयां उपलब्ध करवाईं। आंखों के रोग विशेषज्ञ डॉ. मनविंदर सिंह जैन समाधि टोहाना, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. समीर नागपाल हिसार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि जैन रतिया, चमड़ी रोग विशेषज्ञ डॉ. रमा बंसल फतेहाबाद, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश बंसल बालाजी बच्चों का अस्पताल फतेहाबाद, दंत चिकित्सक डॉ. रितिक भूना और डॉ. अक्षय भूना ने अपनी सेवाएं दीं। सोसायटी के प्रवक्ता हरविंदर बागड़ी और मंदिर कमेटी के सचिव अनिल सोनी व वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि सिख वेलफेयर सोसाइटी लंदन वर्ष 2007 से लगातार मंदिर परिसर में मेडिकल कैंप आयोजित कर रही है।

भूना। मेगा मेडिकल कैंप में मरीज के स्वास्थ्य की जांच करते हुए चिकित्सक।

सिरसा। कलश यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

श्रीमद भागवत कथा को लेकर कालांवाली में कलश यात्रा

कालांवाली। श्री राधा कृष्ण मंडल और गीता भवन कमेटी कालांवाली की ओर से श्री गीता भवन में सप्ताहिक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा को लेकर रविवार को शहर कालांवाली में कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा श्री गीता भवन से शुरू होकर दादू रोड, गली श्री दुर्गा मंदिर वाली, वाटर वर्क्स रोड, खोखा मार्केट, नई अनाज मंडी, पुराना थाना रोड, पंजाब बस स्टैंड, पुराना पंजरत्न सिनेमा रोड, रेलवे रोड, खुह वाला बाजार से होती हुई वापिस श्री गीता भवन में पहुंची। श्री राधा कृष्ण मंडल के सदस्य विक्की फुटेला, मोहित असीजा, महेश मल्होत्रा, आनंद गर्ग ने बताया कि मंदिर में 8 मार्च से लेकर 15 मार्च तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। डॉ आचार्य रमेशानंद महाराज वृंदावन वाले की अध्यक्षता में आयोजित कथा का समय दोपहर 3 बजे से साढे 5 बजे तक और देर शाम को 8 बजे से लेकर 10 बजे तक रहेगा।

दीपक ने उत्तीर्ण की सीए परीक्षा, किया सम्मानित

ओढां। एमएम मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र दीपक कुमार ने सीए फाउंडेशन परीक्षा (जनवरी 2026 प्रयास) उत्तीर्ण कर स्कूल का नाम रोशन किया है। दीपक की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्यालय की प्रिंसिपल सीमा बेनीवाल ने दीपक, उसके माता-पिता तथा एमएम स्कूल के कॉमर्स विभाग को इस शानदार सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता दीपक की कड़ी मेहनत, लगन, उसके माता-पिता के सहयोग तथा विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन ने दीपक कुमार और उसकी माता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए आशा व्यक्त की कि दीपक भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन करेगा।

प्रदेश व्यापार मंडल अध्यक्ष ने सरकार को घेरा

सरकार की गलत नीतियों से 70 प्रतिशत छोटे व मध्यम उद्योग हुए बंद: गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से हरियाणा में लगातार व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है। सरकार की अनदेखी के कारण प्रदेश में छोटे व मध्यम उद्योग लगभग 70 प्रतिशत बंद हो चुके हैं। बजरंग गर्ग रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गर्ग ने कहा कि पहले गांव स्तर पर हैंडलूम, नमकीन, बेकरी, कूलर, पंखे, पलंग, निवार, साबुन, सर्फ, दाल मिल आदि हजारों छोटे व मध्यम उद्योग लगे हुए थे। इन उद्योगों के माध्यम से गांव स्तर पर ही लाखों महिलाएं व युवाओं को रोजगार मिल रहा था, मगर सरकार द्वारा लघु उद्योगों को किसी प्रकार की रियायत न देने के कारण व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है। सरकार को उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सस्ती बिजली व जमीन उपलब्ध करवानी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी बढने के कारण अपराध व नशे का व्यापार प्रदेश में बढ़ता जा रहा है।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग।

यह लगाया आरोप

सरकार को अपराधियों का पक्का से पक्का इलाज करने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि कोई भी अपराधी प्रदेश में अपराध करने की हिम्मत ना कर सकें। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकारी अधिकारी अतिक्रमण के नाम पर व्यापारी को नाजायज तंग कर रहे हैं। सरकारी अधिकारियों को अपने निजी स्वार्थ के लिए व्यापारियों को नाजायज तंग नहीं करना चाहिए। सरकारी अधिकारियों को व्यापारियों से मिलजुल कर शहर के विकास की तरफ ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर व्यापार मंडल के जिला प्रधान जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, आनंद बियानी आदि रहे।

मनीष और रितिक का प्रोजेक्ट इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयनित

फतेहाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोपल के कक्षा दसवीं के दो विद्यार्थियों मनीष एंव रितिक के प्रोजेक्ट का चयन इंस्पायर मानक अवार्ड 2025 के लिए हुआ है। यह जानकारी विद्यालय की प्राचार्या अनीता रानी ने दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रति वर्ष विभिन्न स्कूलों से इनोवेटिव आइडियाज आमन्त्रित किए जाते हैं।

ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेस नेता को सीएम से नहीं मिलने दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा नगर परिषद सिरसा में जारी भ्रष्टाचार एवं अव्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने नहीं दिया। शर्मा ने जिला प्रशासन पर हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए इसे अलोकतांत्रिक करार दिया। उनके कड़े विरोध के बाद सहायक लेबर अधिकारी कुलदीप सिंह एवं शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने मोहल्ला जंडवाला स्थित उनके कार्यालय आकर ज्ञापन लिया। इस ज्ञापन में राजकुमार शर्मा ने नगर परिषद के अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर खुली लूट मचाने का आरोप लगाते हुए शहर की खस्ताहाल सडक़ों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया और मुख्यमंत्री से पूरे मामले की गहनता से जांच करवाए जाने की मांग की। अपने ज्ञापन में शर्मा ने कहा कि सिरसा नगर परिषद हरियाणा की सबसे भ्रष्टतम नगर परिषद के रूप में बदनाम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सिरसा की जनता ने नगर परिषद में लगभग 1 वर्ष पूर्व हुए चुनाव में भाजपा के अध्यक्ष व पार्षदों का बहुमत दिया, ताकि ट्रिपल इंजन से सिरसा का विकास हो सके लेकिन इसका उल्टा हो रहा है।

सिरसा। सहायक लेबर अधिकारी को ज्ञापन सौंपते राजकुमार।

महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

नाटक रबड़ी से किया महिलाओं के अधिकारों का बखान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर केएल थियेटर प्रोडक्शंस द्वारा नाटक रबड़ी का मंचन लॉर्ड शिवा कॉलेज ऑफ फार्मेसी सिरसा में किया गया। नाटक रबड़ी के माध्यम से कलाकारों ने समाज में महिलाओं के संघर्ष, आत्मसम्मान और उनके अधिकारों की आवाज को मंच पर सशक्त रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि डॉ. मधु बिश्नोई ने कहा कि नाटक के निर्देशक कर्ण लढा के शानदार निर्देशन और के.एल. थियेटर के कलाकारों के सजीव अभिनय और प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर उन्हें महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया और कहा कि इस प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सामाजिक मुद्दों को उजागर करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। उसके बाद लार्ड शिवा कॉलेज सिरसा से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुधांशु पांडे ने कहा कि ऐसे नाटक समाज में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नाटक का मंचन करते कलाकार।

डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे : विक्रम सिंह

जागरूकता ही साइबर फ्रॉड से बचने का सही तरीका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

कार्यक्रम की शुरुआत में सीडीएलयू के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. विक्रम सिंह ने साइबर क्राइम और उससे बचाव विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए युवाओं को इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, ओटीपी शेयरिंग, फिशिंग और सोशल मीडिया ठगी जैसे साइबर अपराधों से सावधान रहने की सलाह दी। प्रो. विक्रम ने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है और युवाओं को स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ समाज में भी जागरूकता फैलानी चाहिए।

सिरसा। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक।

16 राज्यों से आए एनएसएस स्वयंसेवक

इससे पूर्व जयपुर के सुबोध मेमोरियल कॉलेज के पॉलिटिकल साइंस के प्राध्यापक व राष्ट्रपति अवार्डी डॉ कपिल आनंद ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है और यदि युवाओं को सही दिशा एवं अवसर मिले तो वे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने पर्सनॅलिटी डेवलपमेंट के विभिन्न टिप्स प्रतिभागियों को दिया। एनएसएस समन्वयक डॉ. रोहताश ने बताया कि राष्ट्रीय एकता थीम पर आधारित इस शिविर में देश के 16 राज्यों से आए एनएसएस स्वयंसेवक व इनके प्रोग्राम ऑफिसर्स भाग ले रहे हैं। सभी प्रतिभागी अपने-अपने राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को साझा कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त बना रहे हैं। इस अवसर पर नई दिल्ली से डॉ. अमरेन्द्र आर्य, उत्तर प्रदेश से डॉ. जनमेजय शुक्ला आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

नशीली गोलियों सहित युवक को किया काबू

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने नशीली दवाइयों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को कॉमर्शियल मात्रा में नशीली दवाइयों सहित काबू किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस को प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गांव महमड़ा क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान आरोपी मनप्रीत सिंह उर्फ बबु पुत्र बलदेव सिंह निवासी महमड़ा को काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 65 पत्ते नशीली दवाओं के बरामद हुए। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर थाना सदर रतिया में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जन शिक्षण संस्थान ने मनाया महिला दिवस

सिरसा। जन शिक्षण संस्थान सिरसा रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लाला हंसराज फुटेला ला कॉलेज के सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें करीब 150 महिलाओं ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक धर्मपाल गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इनर व्हील क्लब प्रधान अंजू शारदा ने शिरकत की। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और विभिन्न कौशल गतिविधियों से जुडऩे के लिए प्रेरित किया गया। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक धर्मपाल गर्ग द्वारा उद्यमशीलता व वित्तीय साक्षरता के संबंध में जागरूक किया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें ब्राइडल प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रही। प्रतियोगिता में सलोनी ने प्रथम, विजेता ने द्वितीय और तमन्ना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हिंदू नवर्ष 2083 का 19 मार्च से आगाज, इस बार 13 महीनों का रहेगा नया हिंदू वर्ष

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

वर्ष 2026 में हिंदू पंचांग का नया वर्ष विक्रम संवत 2083 विशेष रहेगा। इस बार नवसंवत 12 नहीं बल्कि 13 महीनों का होगा। इसका कारण वर्ष में अधिकमास का पडऩा है। पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह अधिकमास रहेगा, जो 17 मई से 15 जून तक होगा। अधिकमास के कारण वर्ष में एक अतिरिक्त महीना जुड़ जाएगा, जिससे आगे आने वाले सभी व्रत और त्योहार अपने निर्धारित समय से करीब 15 से 20 दिन देरी से मनाए जाएंगे।

इसी दिन चैत्र नवरात्रे का भी शुभारंभ होगा। श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार 19 मार्च को विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होगा। इसी दिन गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया जाएगा और वासंती नवरात्र की शुरुआत भी होगी। हिंदू धर्म में अधिकमास को पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने इस महीने को अपना नाम देकर इसे विशेष पुण्यदायी बनाया है।। उनका कहना है कि सूर्य और चंद्रमा की गति में अंतर आने पर पंचांग की गणना संतुलित रखने के लिए अधिकमास जोड़ा जाता है। ये वर्षों में ही बनता है। धार्मिक दृष्टि से अधिकमास का समय जप, तप, दान और भक्ति के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। इस वर्ष अधिकमास के कारण धार्मिक आयोजनों और पों के कैलेंडर में भी बदलाव देखने को मिलेगा।

ये न करने की सलाह

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि परंपराओं में कहा गया है कि अधिकमास के दौरान विवाह जैसे शुभ संस्कार, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, भूमि पूजन या किसी नए व्यवसाय की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए गए शुभ कार्य अपेक्षित फल नहीं देते और ग्रह-नक्षत्र भी मांगलिक कर्मों के अनुकूल नहीं माने जाते। इसी कारण इस पूरे अवधि में बड़े संस्कारों को स्थगित करने की सलाह दी जाती है।

इसलिए लगता है अधिकमास

पंडित सोनू शर्मा के अनुसारसूर्य और चंद्र कैलेंडर के बीच का फर्क ही इस महीने को जन्म देता है। सौर वर्ष 365 दिन का होता है और चंद्र वर्ष 354 दिन। ये अंतर हर 32 महीने और 16 दिनों में इतना बढ़ जाता है कि पंचांग को संतुलित करने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोडना पड़ता है। इसे ही अधिकमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। कथाओं में वर्णन मिलता है कि जब एक अतिरिक्त महीना उत्पन्न हुआ तो कोई भी देवता उसे अपनाने को तैयार नहीं था। तब भगवान विष्णु ने उसे अपने संरक्षण में लिया और उसे पुरुषोत्तम मास के रूप में प्रतिष्ठित किया। यही कारण है कि ये समय देवों में भी सर्वोच्च माना जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में की गई साधना जीवन में सौभाग्य, शांति और आध्यात्मिक उत्थान लेकर आती है।

3 साल में आता है ये महीना

पंडित सोनू शर्मा बताते हैं कि पंचांग के अनुसार अधिकमास 17 मई 2026 से शुरू होकर 15 जून 2026 को समाप्त होगा। ये तप, जप, ध्यान, भक्ति और दान का महापवित्र समय होगा। मान्यता है कि अधिक मास के पहले दिन व्रत रखने से पापों का क्षय होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसे पंचांग में एक ऐसा समय माना जाता है, जब सांसारिक और मांगलिक कार्यों को विराम देकर आध्यात्मिक साधना को प्राथमिकता दी जाती है। ये महीना हर तीन साल में एक बार आता है और इसका उद्देश्य पंचांग की गणितीय समायोजन को संतुलित करना होता है।

विभाग ने वृक्षों की कटिंग के लिए ली थी तीन घंटे के बिजली कट की मंजूरी

चार घंटे पूरे शहर की बिजली सप्लाई रही बंद, कारखाने बंद होने से मजदूर रहे खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद में रविवार सुबह से दोपहर तक 4 घंटे के करीब पूरे शहर की बिजली सप्लाई बंद रही। बिजली निगम का कहना है कि गर्मी के सीजन को देखते हुए विभाग ने वृक्षों की कटिंग करनी थी, जिस कारण 3 घंटे का परमिट लिया गया था। बिजली का कट सुबह 8:40 पर लगा और 12 बजे के बाद ही बिजली बहाल हो सकी। इस दौरान विद्युत चलित मशीनें ठप्प होकर रह गई। कारखाने बंद हो गए। मजदूर हाथ पर हाथ धरे कारखानों के बाहर बैठे नजर आए।

भट्टू रोड पर हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम द्वारा संचालित 220 केवी सब स्टेशन से शहर के लिए भट्टू रोड पर ही स्थित 33 केवी सब स्टेशन को बिजली आपूर्ति की जाती है। बिजली निगम का मानना है कि भट्टू रोड पर सडक़ के दोनों किनारे लगे वृक्षों की टहनियां बड़ी होकर बिजली की तारों पर झूलने लगी थी। ऐसे में किसी भी हादसे की आशंका थी। आगे गर्मी का सीजन है। अगर तेज हवा चलती है तो वृक्ष की टहनियां नीचे गिर सकती है जिससे बिजली की तारों के भी टूटने की आशंका रहती है। ऐसे में गर्मी में लोगों को बिजली कट से काफी परेशानी झेलनी पड़ती। यही कारण था कि बिजली निगम ने फैसला लिया कि रविवार को छुट्टी के दिन तीन घंटे का परमिट लेकर भट्टू रोड पर लगे वृक्षों की बड़ी टहनियों को काटा जाए। इस कारण जेई द्वारा सुबह तीन घंटे का परमिट लिया था। वृक्ष की टहनियां काटने का काम दोपहर तक चला। इसके बाद भट्टू रोड स्थित 33 केवी सब स्टेशन के पॉवर हाऊस से बिजली बहाल की गई। इस पूरे काम में करीब 4 घंटे लग गए।

फतेहाबाद। भट्टू रोड पर वृक्षों की काटी गई टहनियां। *फोटो : हरिभूमि*

कामकाज ठप

रविवार सुबह करीब 8:40 बजे पूरे शहर की बिजली सप्लाई ठप्प होकर रह गई। बिजली बंद होने से शहर में बिजली आधारित उद्योग, वैल्डिंग वक्र्स, बैंकों का कामकाज ठप्प हो गया। यहां तक कि आटा चक्की वाले, ड्राईक्लीनर व ऑटो मैकेनिक हाथ पर हाथ धरे अपनी दुकानों के बाहर बैठे नजर आए। सिरसा रोड स्थित राइस फैक्ट्रियों व कॉटन मिलों में मशीनें खामोश हो गई। मजदूर बेकार फैक्ट्रियों के बाहर ताश खेलते नजर आए।

अध्यापक संघ ने की आदेशों की कड़ी निंदा

महिला दिवस पर जबरन उपस्थिति के आदेशों से अध्यापक हुए नाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सिरसा के चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को लेकर जिला शिक्षा विभाग द्वारा महिला शिक्षकों और कर्मचारियों को छुट्टी के दिन भी अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देशों की हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने निंदा की है। खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा पत्र जारी कर व व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से जारी संदेशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कार्यक्रम में सभी महिला कर्मचारियों, पीजीटी, टीजीटी, जेबीटी, एमडीएम वर्कर, पार्ट टाइम वर्कर, चपरासी और सफाई कर्मचार की उपस्थिति अनिवार्य है तथा अनुपस्थित रहने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

संघ ने इन आदेशों को दुर्भाग्यपूर्ण और महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध बताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। संघ का कहना है कि जिस दिन महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और स्वतंत्रता की बात की जानी चाहिए, उसी दिन महिला शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को छुट्टी के दिन जबरन कार्यक्रम में बुलाना और कार्रवाई की धमकी देना महिला दिवस की मूल भावना के साथ मजाक है। संघ ने स्पष्ट कहा है कि यदि कोई महिला शिक्षिका या कर्मचारी स्वेच्छा से कार्यक्रम में शामिल होना चाहती है तो यह उसका व्यक्तिगत निर्णय हो सकता है, लेकिन किसी भी प्रकार के दबाव, भय या अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी देकर उपस्थिति सुनिश्चित करवाना पूरी तरह अनुचित और अस्वीकार्य है। संघ ने महिला शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को आश्वस्त किया है कि वह पूरी तरह उनके साथ खड़ा है और किसी भी प्रकार की अनुचित या दबावपूर्ण कार्यवाही का मजबूती से सामना किया जाएगा।

खास बातें

- आदेश में लिखा था सभी कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है तथा अनुपस्थित रहने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है
- संघ ने महिला शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को आश्वस्त किया है कि वह पूरी तरह उनके साथ खड़ा है

टोहाना। पैदल गश्त अभियान चलाती पुलिस टीम। *फोटो : हरिभूमि*

राजनगर क्षेत्र में कानून व्यवस्था के लिए पुलिस टीम का पैदल गश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस चौकी राजनगर द्वारा टोहाना क्षेत्र में विशेष पैदल गश्त अभियान चलाया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की गई। पुलिस चौकी राजनगर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा राजनगर चौकी क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, मुख्य बाजार, बस स्टैंड के आसपास तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने बाजारों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी जानकारी भी ली। उन्होंने बताया कि पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने क्षेत्र में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ व पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच की। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर खड़े वाहनों की भी जांच की गई।

पुलिस ने की अपील

पुलिस द्वारा दुकानदारों और आम नागरिकों से भी अपील की गई कि यदि उन्हें अपने आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा अपराध पर अंकुश लगाना है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर पैदल गश्त, वाहन चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच जैसे अभियान चलाए जाते हैं, ताकि असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय बना रहे और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह दे सरकार: सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकारों को ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए। लाडो-लक्ष्मी योजना के तहत 2100 प्रतिमाह दिया जाना चाहिए। सैलजा ने रविवार को जारी प्रेस बयान में कहा कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में लाडो-लक्ष्मी योजना के लिए 5,000 करोड़ की घोषणा कर बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस राशि का अधिकांश भाग खर्च ही नहीं किया गया। प्रदेश की लगभग 95 लाख महिलाओं में से बहुत कम महिलाओं को ही इस योजना का लाभ मिल पाया है। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर 2025 को जारी अधिसूचना में महिलाओं के लिए कई जटिल शर्तें लगा दी गई हैं, जैसे हर महीने जीवित होने का प्रमाण देना और अन्य सरकारी सहायता लेने पर रोक। इन शर्तों के कारण बड़ी संख्या में पात्र महिलाएं इस योजना से बाहर हो गई हैं, जो कि महिला सशक्तिकरण की भावना के विपरीत है। सैलजा ने कहा कि प्रदेश की सभी महिलाओं को लाडो-लक्ष्मी योजना के तहत 2100 प्रतिमाह दिया जाना चाहिए।

सिरसा। विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करते अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

एसएस कालेज में दीक्षांत समारोह में 150 विद्यार्थियों को दी डिग्रियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज में रविवार को भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रांगण में आयोजित इस समारोह में करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाया। समारोह के दौरान विभिन्न संकायों के सफल विद्यार्थियों को उनकी डिग्रियां प्रदान की गईं। मुख्य अतिथि रामकिशन बजाज ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि यह जीवन में सही दिशा, संस्कार और जिम्मेदारी का बोध कराती है। उन्होंने युवाओं को समाज सेवा, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढऩे की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें अपनी शिक्षा का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास के लिए करना चाहिए। प्राचार्य डॉ. दिलावर सिंह ने कहा कि यह दिन विद्यार्थी जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। कॉलेज हमेशा से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर डॉ. सुमित सिंगला, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. बाबूलाल, सतविंदर सिंह, आशु गर्ग, अमित कुमार सहित कॉलेज के सभी प्राध्यापक मौजूद रहे।

गैस कीमतों में वृद्धि के खिलाफ उपायुक्त को 9 को ज्ञापन सौंपेंगी महिला संगठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को पटवार भवन में विभिन्न जन-संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनवादी महिला समिति, सीटू, सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति और रिटायर कर्मचारी संघ के बैनर तले आयोजित इस सम्मेलन में महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक बराबरी पर गंभीर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनवादी महिला समिति की प्रधान जगीर कौर, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की उपप्रधान दलवन्ती और सीटू नेता गगनदीप कौर ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन प्रोमिला और सुरेश कुमारी जांडली द्वारा किया गया। सम्मेलन में घोषणा की गई कि गैस की कीमतों में हो रही बेतहाशा वृद्धि के विरोध में कल 9 मार्च को दोपहर 2:30 बजे जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। इसके पश्चात हरियाणा सरकार के नाम एक ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राज्य उपप्रधान शंकुतला जाखड़ और एसटीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएन भारती ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज महिलाओं के पास जो भी अधिकार हैं, चाहे वह वोट का अधिकार हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या समान वेतन का, वे किसी उपहार में नहीं मिले, बल्कि दशकों लंबे आंदोलनों और बलिदानों का परिणाम हैं। वक्ताओं ने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि युद्ध में निर्दोष बच्चों और स्कूलों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ है।

फतेहाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर शाहनवाज एडवोकेट, पवन भूथन, डॉ. नीतू डुडेजा, दलबीर सिंह आजाद, राजपाल मिताथल, देसराज माचरा, रामनिवास शर्मा, डॉ. लोक सेतिया, डॉ. राजीव सेतिया, पार्षद मोहनलाल नारंग, योगेन्द्र भूथन, जोगेंद्र सिंह भ्याणा, एडवोकेट चन्द्रभान और एएसआई सुनीता साइबर क्राइम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व महिला दिवस पर पंजाबी समाज ने मनाया महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के अनाज मंडी स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला जिलाध्यक्ष डॉ. सुमन बजाज की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में समाज की महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया और संगठन के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा ने एक विशेष घोषणा की। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से विशेष रूप से पहुंची आशा नारंग काठपाल को उनकी सक्रियता और समर्पण को देखते हुए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया महिला विंग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि आशा नारंग के पति, अशोक कुमार काठपाल, पिछले 2 वर्षों से वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। इस नई नियुक्ति से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे अरोड़ा खत्री पंजाबी समाज के परिवारों को जोड़ने के कार्यों को नई गति मिलेगी। हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश चुघ ने सभी महिलाओं को दिवस की बधाई दी।

- आशा काठपाल बनी वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया महिला विंग अध्यक्ष

फतेहाबाद। कार्यक्रम में पहुंचे ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर धर्मपाल चावला जिला अध्यक्ष, परम अरोड़ा जिला महासचिव, अजय मेहता जिला सचिव, अशोक नारंग जिला सलाहकार, अंजू दानी महिला जिला महासचिव, सुरेश बुद्धि राजा व सुमन आहूजा जिला कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद रहे। जिला महासचिव परम अरोड़ा ने ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी परिवार की ओर से आशा नारंग काठपाल को बधाई देते हुए कहा कि महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति का सम्मान करना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है।

रक्तदान शिविर | संघर्ष और एकजुटता के संकल्प के साथ मनाया गया महिला दिवस

राज्य सरकार महिलाओं को शिक्षा, उद्यमिता और कृषि क्षेत्रों में बनाएगी सशक्त : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को जिला नागरिक अस्पताल फतेहाबाद के ब्लड सेंटर में एक विशेष नारी शक्ति रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के सम्मान और समाज सेवा के संदेश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला प्रतिभागियों सहित अन्य नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर आईएमए प्रधान डॉ. अंजना दाबड़ा तथा जिला परिषद चेयरपर्सन एडवोकेट सुमन खीचड़ ने भाग लिया वहीं मंच संचालन गोपाल बंसल ने किया।डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि रक्तदान एक महान सेवा है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। डीसी ने नारी शक्ति को सलाम करते हुए उनके साहस और दृढ़ता की सराहना की। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, उद्यमिता, कृषि, प्रौद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न पहलों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिला प्रशासन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियां के लिए उन्हें नमन करता है। डीसी ने कहा कि यह शिविर समाज में सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने जिले के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने रक्तदान शिविर में पहुंचकर जरूरतमंदों के जीवन को बचाने के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। रक्तदान शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. तरुण ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को हरियाणा में हर जिले में महिला स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का आयोजन हरियाणा राज्य रक्त संचरण परिषद और स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की देखरेख में हुआ। डॉ. तरुण ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। शिविरों में महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

फतेहाबाद। शिविर में रक्तदान करती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*